भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 141
उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 25 नवम्बर, 2024
4 अग्रहायण, 1946(शक)

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा गुजरात में उत्खनन

141. श्री राजेशभाई नारणभाई चुड़ासमा:

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उन प्राचीन स्थलों का विवरण क्या है जहाँ भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण(एएसआई) ने पिछले पांच वर्षों के दौरान गुजरात राज्य में उत्खनन किया है;

(ख) उक्त अवधि के दौरान उत्खनन करने के लिए एएसआई को आवंटित की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या उत्खनन के लिए रखे गए प्राचीन स्थलों की पहचान पुरातात्विक समस्याओं के आधार पर की गई है और यदि हां, तो प्रत्येक स्थल के संबंध में ब्यौरा क्या है?

उत्तर
संस्कृति और पर्यटन मंत्री
(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) पिछले पांच वर्षों के दौरान भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने गुजरात में निम्नलिखित स्थलों पर उत्खनन किए हैं: तरंगा, जिला मेहसाणा (2017-18 और 2018-19), गुंजा, जिला मेहसाणा (2018-19), वडनगर, जिला मेहसाणा (2019-20 से 2021-22) विहार, जिला गांधी नगर (2021-22) सरवाल, जिला पाटण (2022-23 और 2023-24)। संजान, जिला वलसाड़ में भी अन्वेषण किया गया है ।

(ख) पिछले पांच वर्षों के दौरान पुरातात्विक उत्खनन के लिए आवंटित निधियां इस प्रकार हैं:

वर्ष	राशि (करोड़ में)
2019-20	3.6
2020-21	2.5
2021-22	6.09
2022-23	10.00
2023-24	11.30

(ग) उत्खनन के लिए स्थलों की पहचान सतही निष्कर्षों और लिखित एवं मौखिक प्रथाओं की मान्यता के आधार पर की जाती है। ऐसे चिह्नित स्थलों पर प्राचीन संस्कृतियों के भौतिक साक्ष्य को ढूंढने और इतिहास का पुनर्निर्माण करने के लिए उत्खनन किए जाते हैं। इन स्थलों पर उत्खननों से उत्तर हड़प्पन से प्रारंभिक ऐतिहासिक काल तक के पुरातात्विक अवशेषों जैसे स्तूप, विहार, मंदिर अवशेष आदि का पता चला है ।

*****